हज की तैय्यारी : अब से रवानगी तक क्या क्या करें ? क्या क्या सीखें ?

SL No.	तफ़सीलात	×	√
1	सामान-ए-सफ़र और हज कमीटी के क़्वानीन		
2	हज्जे मक़्बूल की पहचान और उस पर मिलने वाली ईनामात		
3	ईख़लास वाली नियत		
4	जिनके भी **हुक़ूक़ बाक़ी** हैं उसकी ज़िम्मेदारी और उसकी अदाएगी की पूरी कोशिश **(हज पर जाने से पहले रिशतेदारों,अज़िज़ो और दोस्तों से कुसुर मुआफ करवाईये)**		
5	लब्बैक के सही अल्फाज़ और उसके माअ'ने याद करना		
6	एहराम बांधने का तरीक़ा		
7	**एहराम की 8 पाबंदियां**		
8	मर्दों और औरतों के एहराम की पाबंदियों में फर्क़		
9	हज के सफ़र में दुआओं के मुक़द्दस मुक़ामात और उनकी फज़ीलत		
10	**उमरा और हज में फराईज़ और वाजिबात**		
11	बैतुल्लाह और मुताफ की ज़रूरी मालूमात		
12	उमरे के एहराम की नियत		
13	उमरे के **चार अरकान** सीखना		
14	तवाफ का मुकम्मल तरीक़ा तवाफ की तरतीब और उसूल व आदाब		
15	सफा और मरवा के सई की तरतीब		
16	हल्क़ और क़सर यानी सर **मुंडाने की तरतीब** और उसके मसाईल और उसकी फज़ीलत		
17	हरम में ज़्यादा वक़्त गुज़ारने की फज़िलत		
18	**हज के पांच दिन के अरकान**		
19	हज के 9 काम **(3 फर्ज़ और 6 वाजिब)**		
20	हज का एहराम और उसकी नियत		
21	अरफात में पढ़ने के तस्बीहात		
22	मुज़्दलिफा का वक़ूफ		
23	**रमि जमरात यानी कंकरी मारने की तरतीब,फज़ीलत और एहतेयात**		

SL No.	तफ़सीलात	×	√
24	क़ुर्बानी के तरिक़े		
25	**तवाफे ज़ेयारत में रमल बगैर ईजतबा और तवाफे ज़ियारत का वक़्त**		
26	**तवाफ़े विदा**		
27	हज से पहले और हज के बाद मक्का मुकर्रमा के छोड़ने तक सही औक़ात गुज़ारी		
28	मक्का मुकर्रमा में ज़ियारत के मुक़ामात		
29	हज के सफ़र में दीगर हजियो की खिदमत		
30	**मदिना मुनव्वरा की हाज़री के आदाब और फज़ीलत**		
31	**रोज़ा-ए-रसूल की ज़ियारत के आदाब और फज़ीलत**		
32	मस्जिद-ए-नबवी में **रेयाज़ुल जन्ना**		
33	मस्जिद-ए-नबवी में **स्तूनो (खम्भे)** की फज़िलत		
34	मदिना मुनव्वरा में ज़ियारत के मुक़ामात		
35	हज के बाद हाजी की ज़िंदगी कैसी हो		
36	औरतो के हज के मसाईल और दीगर मसाईल		
37	**फज़ाईल-ए-हज और हज गाईड किताब का रोज़ाना मुताअला**		
38	**रोज़ाना कम से कम 6 से 8 किलो मीटर पैदल चलने की आदत (एक से डेढ़ घंटा)**		
39	हज की रूह और सही कैफियत पैदा करनी की कीशिश		
40	हज कमीटी से राब्ता और **वक़्त पर पेमेंट** की अदाएगी		
41	हज कमीटी के जानिब से ट्रैनिंग के साथ पोलिओ ड्रोप और वैक्सिन का लेना		
42	हज से वापसी के बाद सुन्नतो भरी नूरानी और पकिज़ा ज़िंदगी गुज़ारने का पक्का इरादा और उसके लिए अभी से कोशिश करना		
43	रवानगी से पहले घर वालो की और मोहल्ले को नूरानी और पकिज़ा बनानी की कोशिश और उनके लिए अभी से घर वालो को आमादा करना		
44	**किसी आलिम-ए-दीन और हाजी जो हज कर चुके हों उनसे मिलकर हज के मसाएल सीखना**		

इसका प्रिंट निकलवा कर इस पर अमल करें इनशा'अ अल्लाह काफ़ी सहूलियत होगी।